

धनक,

अतर सिंह,  
उप सचिव,  
उत्तरांचल शासन ।

सोना में,

महापिंडारक,  
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,  
प्रतापगढ़ देहरादून ।

चिकित्सा अनुभाग-4

दिनांक : 23 नवम्बर, 2005  
विषय: वर्ष 2005-06 में अनुदान संख्या-12 में आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत पुर्नविनियोजन की स्वीकृति  
पहोच,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-54/8/44/2005-06/22413 दिनांक 03.10.2005 के संदर्भ पुझे यह कहने का विशेष दया है कि श्री राज्यपाल महोदय द्वारा वित्तीय वर्ष 2005-06 में प्रदेश में अन्धेपन की रोकथाम के अन्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के विकास हेतु योजनागत पक्षों से संलग्न प्रपत्र बी0एम0-15 के विवरणानुसार रु० 5,50,000.00 (पांच लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि की उपलब्ध बचतों के व्ययार्जन द्वारा व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करने है ।

2. उपर्युक्त व्यय उम्मेद में किता जायेगा जिसके लिये स्वीकृत किया जा रहा है ।

3. उपर्युक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक 2210-चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य आयोजनागत, 03-प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ-पारिभाषिक चिकित्सा पद्धति, 800-अन्य व्यय, 01-केंद्रीय आयोजनागत/केंद्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं, 0101-प्रदेश में अन्धेपन की रोकथाम के अन्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का विकास, 01-वेतन, 03-महंगाई भत्ता, 06-अन्य भत्ते, 48-महंगाई वेतन के नामे डाला जायेगा तथा संलग्न पुर्नविनियोग के फॉर्म-1 की बचतों से सहन किया जायेगा ।

4. यह आदेश जिला विभाग के अरा० सं०-109/किता(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2005 दिनांक 20.11.2005 में प्राप्त गवर्नाट में जारी किये जा रहे हैं ।

संलग्न यथोक्त:

भवदीय,

(अतर सिंह)  
उप सचिव


सं० 507(1)/XXV/11-4-2005-54/2005 तदुद्दिनांकित ।

1. महापिंडारक, उत्तरांचल, माधवा देहरादून ।
2. मुख्य महोपाधिकारी, देहरादून ।
3. निष्पत्ति (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3 ।
4. नगर राजकीय नियोजन एवं संसाधन सचिवालय, देहरादून ।
5. माधवा क्षेत्राधिकारी, उत्तरांचल ।
6. आयुक्त कर्मचारी / मद्रास मण्डल उत्तरांचल ।
7. मद्रास मण्डल ।

आज्ञा से  
(अतर सिंह)  
उप सचिव

बजट प्राविधान तथा लेखाशौपंक का विवरण (मानक मद)	मानक परवार अध्यापक व्यय	वित्तिय वर्ष की शेष अवधि में	अवशेष (सरलतम) धनराशि	लेखाशौपंक विनये धनराशि को स्थानान्तरित किया जाना है (मानक मद)	पुन-विनियोजन के बाद के स्वाम्य-5 को कुल धनराशि	पुन-विनियोजन के बाद अवशेष धनराशि (4-5)	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
2200-विश्विक्त तथा लोक स्वास्वय -आयोजनागत				2200-विश्विक्त तथा लोक स्वास्वय - आयोजनागत			पद रिक्त रहने के कारण वित्तिय वर्ष 2005-06 का आय-व्ययक प्राविधान तैयार करते समय अधिविधान कच रखा गया । तथा रिक्त पदों के भर जाने के कारण व्यय भार बढ़ा है । जिसके फलस्वरूप वेतन भारों में रु0 5,50,000/- के पुनर्विनियोजन की आवश्यकता है ।
01-राष्टरी स्वास्वय संवर्धन-पारवत्य विश्विक्ता पद्धति ।				03-प्रार्थीय स्वास्वय संवर्धन-पारवत्य विश्विक्ता पद्धति ।			
110-अस्मत्तन तथा अनिर्वालय				800-अन्य व्यय			
97-राष्ट्रय सहायति परिचयोजनाएँ ।				01- केन्द्रीय आरंजकलय/ केन्द्र द्वारा पुर्णनिधानित योजनाए			
9701-रूल्थ सिस्टम परिचयोजनाएँ ।				0101- प्रवेश से अन्वेषन की रोकथाम के अन्वर्धित प्राथमिक स्वास्वय केन्द्र का विकास ।			
42-अन्य व्यय- 207860	10000	192860	5000	01-वेतन 300	1100		
				03-मईगई भत्ता 50	290		
				06-अन्य भत्ते 50	170		
				48-मईगई वेतन 150	550		
योग- 207860	10000	192860	5000	योग 550	2110	3550	

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुनर्विनियोजन में बजट अनुसूचित वर्गों के लिए 150,151,155,156 में अतिरिक्त प्रविष्टि एवं सौकरों का उल्लेख नहीं होता है ।

  
(अनुर सिंह)  
उप सचिव

जयप्रकाश शर्मा  
वित्त अनुभाग

संख्या-109(1)/वित्त(व्यय नियंत्रण) अनु-3/2005  
देहरादून: दिनांक: 20 नवम्बर, 2005

पुनर्विनियोजन स्वीकृत

सेवा में

महालेखाकार,  
उत्तरांचल(लिंगा एवं हकदारों)  
औद्योगिक बिल्डिंग,  
मानस सहानपुर रोड, देहरादून।

एल0एम0एन0  
अपर सचिव

सं0-597(1)/XXV111-4-2005-54/2005 तदतिर्नांक

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निर्देशक, कांयगार एवं वित्त सेवाये, उत्तरांचल।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
3. वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3
4. गार्ड फाईल

आज्ञा से



(अतर सिंह)

उप सचिव